Roll No. : ....

Total No. of Questions : **12**]   [Total No. of Printed Pages : **3**

A–230

B.A. (Part–II) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

Time : 3 Hours]   [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ   **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब   **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स   **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

   (i) 'अंधेर नगरी' नाटक के किन्हीं **चार** पात्रों के नाम बताइए।

   (ii) 'अंधेर नगरी' नाटक में कुल कितने दृश्य हैं ?

(iii) 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक के रचयिता कौन हैं ?

(iv) 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक में नीमा कौन है ?

(v) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में आये संवादों की कोई **दो** विशेषताएँ बताइए।

(vi) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का प्रतिपाद्य बताइए।

(vii) 'साहब को जुकाम है' एकांकी के रचनाकार कौन हैं ?

(viii) 'बहुत बड़ा सवाल' एकांकी में कुल कितने पात्र हैं ?

(ix) उद्‌भव एवं विकास की दृष्टि से हिन्दी नाटकों को कितने युगों में बाँटा गया है ? युगों के नाम बताइए।

(x) एकांकी के तत्वों के नाम लिखिए।

खण्ड–ब

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** व्याख्याओं को हल कीजिए :

2. बच्चा नारायणदास ने मुझसे कहा था कि यहाँ सब चीज टके सेर मिलती है, तो मैंने इसकी बात का विश्वास नहीं किया। बच्चा, यह कौनसी नगरी है और इसका कौनसा राजा है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा है ?

3. सोना, अगर तुमने उस मासूम की पीठ देखी होती, जिसे चाबुक से छलनी कर डाला गया था, तो तुम्हें इन पाखंडियों से डर नहीं लगता। इनके कारण लोगों का जीवन नरक बन गया है। (लापरवाही से) तुम चिन्ता नहीं करो। ये बातें तो होती ही रहती हैं।

4. ''कभी सोचा ? इस घर में अकेले कौन जिया है ? तुम, केवल तुम। हम लोगों को कभी अपने अस्तित्व की जानकारी ही नहीं हुई। (विराम) तुम तय करते रहे कि हम लोग कैसे जियें। और हम लोग उसी तरह जीते रहे। लेकिन अब यह नहीं होगा।''

5. मैं जानता था। आपकी उखड़ी-उखड़ी-सी बातें। नाम देने से इन्कार करना, वगैरह, वगैरह। कुछ इस ढंग से आपने कहा कि मुझे शक हो गया। अफीम खाने के लिए अनुभव की जरूरत है। कच्चा आदमी खा ही नहीं सकता, मैं जानता हूँ। मैंने आपको हर्रे की गोली दे दी, आपने ले ली। अफीम और हर्रे में कोई तमीज ही नहीं।

6. सुना रहा हूँ, मैं। मैं वही हूँ जो एक दिन तुम थे। मैं तुम ही हूँ और इसलिए मेरी बातें तुम्हें सुननी पड़ेंगी। भोलानाथ, तुम बच नहीं सकते, मकड़ी का जाला तन रहा है, और तुम उसमें बेबसी से टँग रहे हो। कीड़े!

7. मैं कोई पर्सनल बातचीत बीच में नहीं ला रहा। मेरा मतलब सिर्फ इतना है कि हमें इस मुहावरे की जगह कोई दूसरा मुहावरा इस्तेमाल करना चाहिए जो कि लेडीज एंड जेंटलमेन की तरह न्यूट्रल हो।

8. हाय, वक्त की ऐसी तैसी। सात पुश्तों का जादू जो मुहईया न कर पाया, वह बालिश्त भर के छोकरे ने कर दिखाया। खैर, कुछ तो हुआ। गल्ला तो ले आया और तमाशबीनों के चेहरे पर हँसी भी आयी। तो लड़के खोल दे बोरे को और बाँट दे तमाशबीनों में।

खण्ड–स

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

9. 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक की समीक्षा नाट्य तत्वों के आधार पर कीजिए।

10. " 'अदृश्य व्यक्ति की आत्महत्या' एकांकी में पात्र-योजना की दृष्टि से नवीन शिल्प का प्रयोग विपिन कुमार अग्रवाल ने किया है।"–इस कथन का युक्ति-संगत विश्लेषण कीजिए।

11. "कथाहीनता के बावजूद 'तांबे के कीड़े' एकांकी प्रभावित करता है।" एकांकी की विशेषताएँ बताते हुए प्रमाणित कीजिए।

12. हिन्दी नाटक के विकास-क्रम को स्पष्ट करते हुए भारतेन्दुयुगीन नाटकों की विशेषताएँ बताइए।